व्यापार की योजना

पर

आय सृजन गतिविधि

काटना और सिलाई करना

के लिए

स्वयं सहायता समूह - जय चल माता

एसएचजी/ सीआई जी का नाम	जय चल माता
वीएफडीएस नाम	चोल Kuferbag
श्रेणी	कोटखाई
विभाजन	ठियोग

के तहत तैयार

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका में सुधार के लिए परियोजना (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

सामग्री की तालिकाएँ

क्र.सं	विवरण	पृष्ठ सं।
1.	परिचय	3
2.	एसएचजी/सीआईजी का विवरण	4
3.	लाभार्थियों का विवरण	5
4.	गाँव का भौगोलिक विवरण	6
5.	बाजार की क्षमता	6
6.	कार्यकारी सारांश	7
7.	आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	7
8.	उत्पादन प्रक्रिया का विवरण	7
9.	जोखिम विश्लेषण	7
10.	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	7-8
1 1।	अर्थशास्त्र का विवरण	8-9
12.	लागत लाभ विश्लेषण	9
13.	एसएचजी में फंड फ्लो की व्यवस्था	10
14.	कोष के स्रोत	10
1 5.	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन	10
1 6.	सम-विच्छेद बिंदु की गणना	1 1
1 7.	बैंक ऋण चूकौती	1 1
1 8.	निगरानी विधि	1 1
1 9.	टिप्पणियों	12
20.	समूह के सदस्य तस्वीरें	13
21.	समूह चित्र	14
22.	संकल्प-सह समूह सहमति प्रपत्र	15
23.	VFDS और DMU द्वारा व्यावसायिक स्वीकृति	16

1. परिचय-

कटिंग और टेलरिंग को कपड़े की सिलाई के रूप में भी जाना जाता है। काटने और सिलाई के इस कौशल का उपयोग सूट, रूमाल और सभी आयु समूहों के विभिन्न शैलियों के अलग-अलग कपड़े पहनने, घरेलू उत्पाद जैसे टेबल कवर, पर्दे, बैग, बेडशीट आदि बनाने के लिए किया जाता है । यह मुख्य रूप से ग्रामीण भारत में महिलाओं के बीच एक आम घरेलू गतिविधि है। अधिकांश महिलाएं इस आईजीए से अच्छी तरह परिचित हैं और वे इसे अपने खाली समय में खुशी-खुशी करती हैं और साथ ही घर के अन्य काम भी करती हैं। उनके द्वारा ऐसा करने का एक कारण पैसे बचाना है। इस स्वयं सहायता समूह की महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पहले से ही सक्रिय हैं। अब सदस्यों ने इस गतिविधि को IGA के रूप में चुना है ताकि वे अपने खर्चों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसा कमा सकें और कठिन समय के लिए कुछ बचत भी बढ़ा सकें। एसएचजी के रूप में पहले से मौजूद विभिन्न आयु वर्ग की 10 महिलाओं का एक समूह भी जेआईसीए परियोजना का हिस्सा बनने के लिए एक साथ आया और एक व्यवसाय योजना तैयार करने का फैसला किया जो उन्हें इस आईजीए को सामूहिक रूप से लेने और उनकी अतिरिक्त आय बढ़ाने में मदद कर सके ।

इस IGA (इनकम जनरेशन एक्टिविटी) में आने से पहले बाजार की क्षमता और विभिन्न पहलुओं के बारे में बहुत सावधानी से चर्चा करने के बाद। जय चल माता SHG समूह ने सामूहिक रूप से अपनी आय सृजन गतिविधि (IGA) के रूप में काटने और सिलाई करने का निर्णय लिया है। जय चल माता SHG का गठन वर्ष 2021 में किया गया था और इसे हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका (JICA असिस्टेड) के सुधार के लिए परियोजना के तहत भी शामिल किया गया है, जो VFDS चोल के अंतर्गत आता है। कुफरबाग । इस एसएचजी में 10 महिलाएं हैं । इन महिलाओं को पहले से ही कटाई और सिलाई का बहुत कम अनुभव था और अब इस परियोजना के वित्तपोषण, प्रशिक्षण और सहायता की मदद से वे इस कौशल को विकसित करेंगी और पेशेवर बनेंगी । वे कपड़े सिल सकेंगी और आत्मनिर्भर बनेंगी और आय अर्जित करेंगी। इस

एसएचजी की विस्तृत व्यवसाय योजना इसकी निवेश क्षमता, विपणन और प्रचार रणनीति के अनुसार तैयार की गई है और विस्तृत कार्य योजना पर यहां चर्चा की जाएगी:

2. एसएचजी/सीआईजी का विवरण

1.	एसएचजी/सीआईजी का नाम	जय चल माता
2.	वीएफडीएस	चोल Kuferbag
3.	श्रेणी	कोटखाई
4.	विभाजन	ठियोग
5.	गांव	चोल Kuferbag
6.	अवरोध पैदा करना	कलाला
7.	ज़िला	शिमला
8.	कुल संख्या एसएचजी में सदस्यों की	09
9.	गठन की तिथि	02/06/2021

10.	बैंक खाता सं.	44910104538
11.	बैंक विवरण	एचपी राज्य सहकारी बैंक
12.	SHG/CIG मासिक बचत	100 रुपये प्रति सदस्य
13.	कुल बचत	रु. 16738/-
14.	कुल अंतर ऋण	--
15.	नकद ऋण सीमा	-
16.	चुकौती की स्थिति	-

3. लाभार्थियों का विवरण

क्र.सं.	नाम	एम/एफ	पिता/पति का नाम	श्रेणी	पद	उम्र	योग्यता
1	उर्मिला Beakta	एफ	पिंकू बीक्ता	सामान्य	अध्यक्ष	45	10 वां
2	समीक्षा Beakta	एफ	सुनील बक्ता	सामान्य	सचिव	36	12 वां
3	रामश्री बेक्ता	एफ	सत्य प्रकाश Beakta	सामान्य	सदस्य	53	8 वां
4	आशा Beakta	एफ	सुमेश्वर बेक्ता	सामान्य	सदस्य	43	10 वां
5	प्रिया Beakta	एफ	राजेश बेक्ता	सामान्य	सदस्य	35	12 वां
6	पायल बीक्ता	एफ	तनुप बीक्ता	सामान्य	सदस्य	29	एमए

7	अंजलि Beakta	एफ	निशांत Beakta	सामान्य	सदस्य	28	ग्रेजुएट
8	रेखा Beakta	एफ	मनी बीकाटा	सामान्य	सदस्य	36	ग्रेजुएट
9	अभिशिता बेक्ता	एफ	पवन Beakta	सामान्य	सदस्य	28	एमए

4. गाँव का भौगोलिक विवरण

1	जिला मुख्यालय से दूरी	80 किमी
2	मेन रोड से दूरी	5 किमी
3	स्थानीय बाजार और दूरी का नाम	खनेती (5 किमी)
4	मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी	कोटखाई (25 किमी)
5	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	कोटखाई (25 किमी)

	6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा/विपणित किया जाएगा	ठियोग, शिमला

5. बाजार की क्षमता-

काटने और सिलाई का कौशल सीखने के बाद, यह जय चल माता एसएचजी अपने क्षेत्र और आसपास के गांवों की स्थानीय आबादी को लक्षित करेगी। तेजी से फैशन में वृद्धि और परिवर्तन के साथ एक बड़ी बाजार संभावना है, सिलाई के कपड़े की मांग साल भर बनी रहेगी। अलग-अलग मौसम होते हैं और इसके लिए अलग-अलग प्रकार के कपड़ों की आवश्यकता होती है जो एक तरह से यह भी सुनिश्चित करता है कि व्यवसाय टिकाऊ रहेगा क्योंकि पूरे वर्ष मांग बनी रहेगी। त्योहारी सीजन या शादी के सीजन के दौरान इस एसएचजी के ग्राहकों में उछाल देखने को मिलेगा।

1	संभावित बाजार स्थान / स्थान	खनेटी , कोटखाई , ठियोग, शिमला
2	सिलाई के काम की मांग	साल भर त्योहारों और शादी-ब्याह के मौकों पर इसकी काफी डिमांड रहती है।
3	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह के सदस्य आसपास के ग्रामीणों/घरों/संस्थानों से संपर्क करेंगे।
4	विपणन रणनीति	एसएचजी सदस्य सीधे पास के ग्रामीणों/घरों/संस्थानों से आदेश (व्यक्तिगत स्तर/समूह स्तर) लेंगे।

6. कार्यकारी सारांश-

स्वयं सहायता समूह द्वारा कटिंग और टेलरिंग आय सृजन गतिविधि का चयन किया गया है । यह IGA इस SHG की सभी महिलाओं द्वारा किया जाएगा। यह व्यावसायिक गतिविधि समूह के सदस्यों द्वारा वार्षिक रूप से की जाएगी। सदस्य इस गतिविधि को अलग-अलग कर रहे हैं लेकिन अब उन्होंने अपने कौशल को बढ़ाने के लिए उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद थोड़े बड़े पैमाने पर और योजनाबद्ध तरीके से इस गतिविधि में शामिल होने के लिए हाथ मिलाया है। इस समूह द्वारा प्रारंभ में विभिन्न प्रकार के सूट सिले जाएंगे। ग्राहकों की मांग के अनुसार सूट (कपड़े) सिले जाएंगे । सदस्यों के बीच श्रम विभाजन की

सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है ताकि प्रत्येक आईजीए को मजबूत करने में योगदान दे सके और परिणामस्वरूप अतिरिक्त पैसा उनकी जेब में जा सके।

7. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण-

1	उत्पाद का नाम	सिला हुआ सूट, बैग, चादरें आदि
2	उत्पाद पहचान की विधि	समूह के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया है
3	SHG/CIG/क्लस्टर सदस्यों की सहमति	हाँ

8. उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण-

1	समय लगेगा	1 सूट को पूरा होने में लगभग 3-4 घंटे लगते हैं।
2	शामिल महिलाओं की संख्या	सभी देवियाँ
3	कच्चे माल का स्रोत	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
4	अन्य संसाधनों का स्रोत	स्थानीय बाजार / मुख्य बाजार
5	अपेक्षित सिले हुए सूट प्रति दिन	शुरुआत में 5 सूट

9. जोखिम विश्लेषण -

कौशल आधारित
मांग संचालित
अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार

10.सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से SHG समूह के सदस्य कार्य करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

कुछ काटने में शामिल होंगे।

अन्य सिलाई में लगे रहेंगे

कुछ सिले हुए सूट की फाइनल फिनिशिंग करने में लगे रहेंगे।

और अन्य अंतिम उत्पाद की उचित इस्त्री और पैकिंग में होंगे।

11. अर्थशास्त्र का विवरण -

क. पूंजीगत लागत

क्र.सं.	विवरण	मात्रा	यूनिट मूल्य	राशि (रु)
1	सिलाई मशीन	10	8 000	80000
2	इंटरलॉक मशीन	2	8000	16000
3	दर्जी कैंची	10	500	5000
4	टेलरिंग रूलर सेट	10	600	6000
5	सिलाई दर्जी टेप	10	100	1000
6	आयरन प्रेस	5	1200	6000
7	अलमारी	2	5000	10000
8	कांटा	4 सेट	300	1200
9	कुर्सियों	10	1500	15000
10.	कपड़ा काटने की मेज	2	4000	8000
कुल पूंजीगत लागत (ए) = **1,48,200** रुपये				

बी आवर्ती लागत					
क्र.सं.	विवरण	यूनिट	मात्रा	यूनिट मूल्य	कुल राशि (रु.)
1	सिलाई धागे, बटन, ज़िप, सूट अस्तर आदि	उत्तर	रास	रास	5000
2	कमरे का किराया	महीना	1	1000	1000
3	पैकेजिंग सामग्री	महीना	रास	रास	2000
4	अन्य (परिवहन, स्थिर, बिजली बिल, मशीन की मरम्मत)	महीना	रास	रास	3000
कुल आवर्ती लागत (बी) = **11,000**					

नोट - समूह के सदस्य स्वयं कार्य करेंगे और इसलिए श्रम लागत शामिल नहीं की गई है और सदस्य उनके बीच पालन किए जाने वाले कार्य कार्यक्रम का प्रबंधन करेंगे।

हर महिला रोजाना 4-5 घंटे काम करेगी।

C. उत्पादन की लागत (मासिक)		
क्र.सं.	विवरण	मात्रा
1	कुल आवर्ती लागत	11000
2	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	14820
कुल = **25,820**		

D. विक्रय मूल्य की गणना			
क्र.सं.	विवरण	यूनिट	मात्रा
1	साधारण सूट	1	300-350
2	अन्य (प्लाजो , लाइनिंग आदि)	1	450-500

12. लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)

लागत लाभ विश्लेषण (मासिक)		
क्र. सं.	विवरण	मात्रा
1	पूंजीगत लागत पर सालाना 10% मूल्यह्रास	14,820
2	कुल आवर्ती लागत	11,000
3	प्रति माह कुल सिला हुआ सूट	100 (लगभग मात्रा)
4	सिले हुए सूट का विक्रय मूल्य (प्रति सूट)	300
5	आय उपार्जन	30,000
6	शुद्ध लाभ (आय सृजन - आवर्ती लागत)	19,000

7	शुद्ध लाभ का वितरण	✔ लाभ मासिक/वार्षिक आधार पर सदस्यों के बीच समान रूप से वितरित किया जाएगा। ✔ लाभ का उपयोग IGA में आगे के निवेश के लिए किया जाएगा

13.

एसएचजी में निधि प्रवाह व्यवस्था -

क्र.सं.	विवरण	कुल राशि (रु.)	परियोजना योगदान	एसएचजी योगदान
1	कुल पूंजीगत लागत	1, 48,200	1,11,150	37,050
2	कुल आवर्ती लागत	11,000	0	11,000
3	प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन।	50,000	50,000	0
संपूर्ण		**2,09,200**	**1,61,150**	**48,050**

टिप्पणी:

i) पूंजीगत लागत- 75% पूंजीगत लागत परियोजना द्वारा और 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

ii) आवर्ती लागत- स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।

iii) प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

14.कोष के स्रोत -

परियोजना का समर्थन	✧ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/गरीब महिला से संबंधित हैं तो पूंजीगत लागत का 75% परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा । एसएचजी बैंक खाते में 1 लाख रुपये तक जमा किए जाएंगे। ✧ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। ✧ 5% ब्याज दर की सब्सिडी डीएमयू द्वारा सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में	कोडल औपचारिकताओं का पालन करने के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा मशीनों/उपकरणों की खरीद की जाएगी।

	जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्ष के लिए होगी। SHG को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होता है।	
एसएचजी योगदान	✧ सामान्य श्रेणी और अन्य श्रेणियों के लिए क्रमश: SHG द्वारा पूंजीगत लागत का 50% या 25% वहन किया जाएगा। ✧ यदि समूह महिला समूह है तो पूंजी लागत का 25% परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा। ✧ आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी।	

15.प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं:

- ✧ कच्चे माल की लागत प्रभावी खरीद
- ✧ गुणवत्ता नियंत्रण
- ✧ पैकेजिंग और विपणन
- ✧ वित्तीय प्रबंधन

16.सम-विच्छेद बिंदु की गणना -

= पूंजीगत व्यय / (बिक्री मूल्य (प्रति सूट) - उत्पादन लागत (प्रति सूट))

= 1, 48,200/(300-100)

= 741

इस प्रक्रिया में 741 सूट सिलने के बाद लाभ-लाभ प्राप्त हो जाएगा।

17.बैंक ऋण चुकौती-

यदि बैंक से ऋण लिया जाता है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए चुकौती अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और चुकौती रसीद सीसीएल के माध्यम से भेजी जानी चाहिए।

- ✧ सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का बैंकों को वर्ष में एक बार पूरा भुगतान किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।

- ✧ सावधि ऋणों में, चुकौती बैंकों में चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

- ✧ परियोजना सहायता - डीएमयू द्वारा 5% ब्याज दर की सब्सिडी सीधे बैंक/वित्तीय संस्थान में जमा की जाएगी और यह सुविधा केवल तीन वर्ष के लिए होगी। SHG/CIG को नियमित आधार पर मूल राशि की किश्तों का भुगतान करना होता है।

18. निगरानी विधि-

- ❖ VFDS की सोशल ऑडिट कमेटी IGA की प्रगति और प्रदर्शन की निगरानी करेगी और प्रोजेक्शन के अनुसार यूनिट के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक होने पर सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देगी।

- ❖ SHG को प्रत्येक सदस्य की IGA की प्रगति और प्रदर्शन की समीक्षा करनी चाहिए और अनुमान के अनुसार इकाई के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए यदि आवश्यक हो तो सुधारात्मक कार्रवाई का सुझाव देना चाहिए।

निगरानी के लिए कुछ प्रमुख संकेतक इस प्रकार हैं:

- ✧ समूह का आकार
- ✧ निधि प्रबंधन
- ✧ निवेश
- ✧ आय उपार्जन
- ✧ उत्पाद की गुणवत्ता

19. टिप्पणियों

सदस्य निम्न आय वर्ग के हैं और वे 25% योगदान दे सकते हैं और परियोजना को शेष 75% वहन करना होगा ।

समूह के सदस्य की व्यक्तिगत तस्वीरें

अनु. क्रमांक ।	समूह के सदस्यों का नाम	तस्वीरें

1.	उर्मिला Beakta	
2.	कमलेश Beakta	
3.	रामेश्वरी Beakta	
4.	आशा Beakta	

5.	प्रियंका Beakta	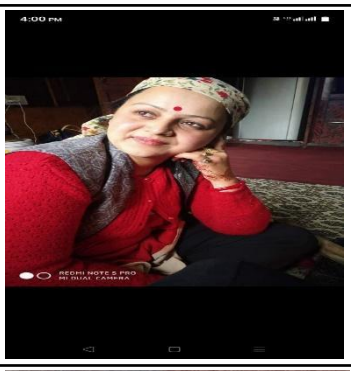
6.	पायल Beakta	
7.	अंजलि Beakta	
8.	रेखा Beakta	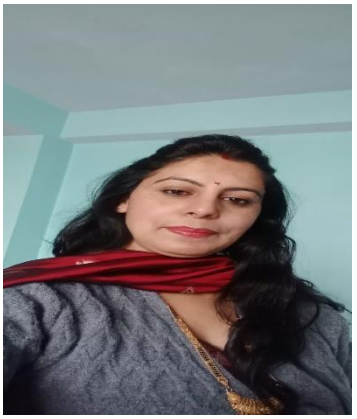

9.	अभिशिता Beakta	

द्वारा तैयार : एसएचजी सदस्यों ने डीएमयू ठियोग, एफटीयू कोटखाई वन रेंज और जेआईसीए कर्मचारियों के परामर्श से।

Annexure

We the member of group hereby consented to actively participate in the IG Activity opted by the group. Jai chal Mata.... as per the guideline of JICA Project For Improvement of HP Forest Ecosystems management and Livelihood and coordination with the VFDS.

The details of the members is as under:

Sr.No.	Name (Phone number)	Father/Husband Name	Age	Education	Category	Income Source	Sign. ~~Address~~
1	Urmila	Pinku	46	10th	gen.	Agriculture	Urmila
2	Samiksha	Sunil	36	12th	gen.	"	
3	Anjali	Nishant	28	B.A	gen.	"	Anjali
4	Riya	Rajesh	35	12th	gen.	"	
5	Asha	Sureshwer	43	10th	gen.	"	Asha
6	रानी शर्मा	सत्य प्रकाश	53	8th	gen.	"	रानी शर्मा
7	Rekha	Mony	36	M.A.	gen.	"	
8	Payal	Tarun	29	M.A.	gen.	"	Payal
9	Abhishita	Tawan.	28	M.A	Gen.	"	Abhishita.
10							
11							
12							

Business Plan Approval by VFDS

Jai Chal Mata Group will undertake the Cutting and tailoring

As Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management & Livelihoods (JICA Assisted) In this regard Business Plan of amount Rs. .... has been submitted by this group on Dated 23/12/2022 and the Business Plan has been approved by VFDS Chol-Kufarbag

Business Plan with SHG resolution is being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thank You

जय चाल माता (JICA) स्वयं सहायता समूह (चौल-कुफरबाग) डा० ... तह. कोटखाई, जिला शिमला (हि.प्र.)

Urmila

Signature of Group President

जय चाल माता (JICA) स्वयं सहायता समूह (चौल-कुफरबाग) डा० ... तह. कोटखाई, जिला शिमला (हि.प्र.)

Signature of Group Secretary

Resolution-cum –Group-Consensus Form

It is decided in the General House Meeting of the group ...Jai... Chal Mata

Held on 23/12/2022..at ....Chol...................that our group will undertake the Cutting & tailoring.as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh Forest Ecosystems Management & Livelihoods (JICAAssisted)

जय चाल माता (JICA)
स्वयं सहायता समूह (चोल-कुफरबाग)
ग्रा० पंचायत
तह. कोटखाई, जिला शिमला (हि.प्र.)
Urmila

Signature of Group President

जय चाल माता (JICA)
स्वयं सहायता समूह (चोल-कुफरबाग)
ग्रा० पंचायत
तह. कोटखाई, जिला शिमला (हि.प्र.)

Signature of Group Secretary

1. Sanjay ..... VFDS	2. Urmila ..... SHG
President	President
3. Sunil ..... VFDS	4. Samiksha ..... SHG
Secretary	Secretary

Submitted to DMU through FTU

Name and Signature of FTU officer

RANJEET KANWAR

Signature of Secretary	Signature of SHG President
Signature of VFDS Secretary	Signature of VFDS President
Signature of Forest Guard	Signature of Block Officer
Signature of RFO	

Approved by DMU